

[November 2009]

**The work of APPL in the fields of study of Disability of victims of Japanese Encephalitis in the eastern part of U.P. has been recognized by National Hindi Weekly in India “India Today”**

A Special issue of the prestigious National Hindi Weekly in India “India Today” on U.P. and Uttarakhand , on November 11, 2009 has recognized the work being done by APPL. APPL’s trustee: Dr. Sanjay K. Srivastava has been chosen as one of the icons among the top 40 academicians, administrators, doctors & scientists, poets, cinema artists/workers etc. in U.P. and Uttarakhand ,who have contributed for the society.

यूपी-उत्तराखंड प्रतिभाशाली वैज्ञानिक

वर्षगांठ विशेष

# मेधा और ज्ञान का संगम

बुद्धि, ज्ञान और मेहनत के दम पर सभी भौगोलिक सीमाएं लोप गए उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड के ये वैज्ञानिक अपनी क्षमता का लोहा मनवाते हुए समूचे विश्व में देश का नाम रोशन कर रहे हैं. विज्ञान के कई रहस्यों को उजागर करते उनके शोधों को दुनिया भर में दाद मिली. मिलिए ऐसी मेधाओं से:

**डॉ. संजय श्रीवास्तव, 40 वर्ष**

## परतें खोलती महत्वपूर्ण खोज

रोग की चिकित्सा के साथ ही उसकी सामाजिक जड़ों को भी तलाश किया



**स**न् 2005 में गैंगलखु के बीमारों में ज्वर, बुखार, कंठ में रुंदा, फेफर पर लसूणों की दो सही सौंसे में ही, शरीर संभारक की उत्तर में लकड़ते दिष्ट. एक पुत्र विस्तार में जमी जगत रूप विज्ञान कि ये हुए पैरु बने. सभ्यते और उनके उत्तर की पुरातन बर्णों, उत्तरा संस्था पंचजन परी परम, शैलेवी पीठ मेधवी (एडमिटर) के अति में इन सौंसे के सामाजिक-उत्पत्ति परतुनों की खोज करने वाले कि अतिम हुए भारतीय मेधवी ने 1978 में इन्ही लक्षक में देना कार्य दल बना है ? 2007 में आई एम एडमि के लोने नीमने वाने में कर्णिक के इस पैरु और खत-खत के ही-सौंसे के बीच 'पल्लोड' को उत्तरा परती को, जमी कर्ण उन्नेने इस पैरु में किबलंग हुए कर्ण के पंक्ति में पर निरुता अख्यान किने को उनको टोलाक हुई बिष्टरे की परत कीगता था. दोनों को म्पारक जर्ण हुई, उस में एक पृथवी सुलखने में लगे हैं कि एक ही इन्नेक, पार्थीन में परत दल ही कर्णों को था बीमारी कर्ण हो जयो है ? — *गुणक वर्ण*

संस्कृत का कुछ बीमारी विस्तार है जिसे उत्तराखण्ड-उत्तराखण्ड का संगम है

सबसे बड़ी कथा-इन्नेक-सौंसे पर सौंसे कर्णों के एक विस्तार का पैरु ही न बनाया

सबसे बड़ी संस्था-एपीसीए के मुख्यालय की बी.ए. के. बी.एस. की उत्पत्ति परतुना

सिद्धि का सबसे अलग-अलग-अलग में ही लगे सिद्धि की उत्पत्तिक बल-विज्ञान के ही के प्रति जमी संवेदनसि बना दिना

**जाधानी इंसेफैलाइटिस की जड़ों तक पहुंचने में डॉ. संजय श्रीवास्तव का काम मददगार रहा है. डॉ. डी.के. श्रीवास्तव, बीएचडी मेडिकल कॉलेज, गंगलखु.**

**संजय श्रीवास्तव**  
भारत सरकार के मुख्य सचिव, आरुणा इन्फो पब्लिक प्रशासकीय सेवा संस्थान में सचिव

**उदयशंकर**  
रुग्ण (रुके का राज) में डॉ.पद्म प्रमाजुवनी निदेशक और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

**अनन्त शर्मा**  
उत्पत्तिक सचिव के पद पर उत्तराखण्ड निदेशक का पदोपार्जन कर उत्तराखण्ड प्रशासकीय सेवा संस्थान में सचिव

56 नवंबर 2009